NEWS CLIPPING: 19.05.2017

DAINIK JAGRAN

तकनीकी शिक्षा के प्रधान सचिव मलिक ने किया निरीक्षण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक ने कहा कि वाइएमसीए विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय को विकास के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता भी बनी रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मलिक बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय में विकास कार्यों तथा कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा, सभी संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

मलिक ने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय राज्य का प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक है तथा तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए पहचाना जाता है। राज्य सरकार इस विश्वविद्यालय के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा परिसर में लंबवत विस्तार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए ढांचागत विकास करें।

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक वाईएमसीए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हुए • जागरण

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने हाल ही में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता तथा राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में अग्रणीय स्थान दिया गया है।

NEWS CLIPPING: 19.05.2017

PUNJAB KESARI

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वाईएमसीए की पहचान

■ वाईएमसीए विवि में विकास कार्यों तथा कार्यक्रमों की समीक्षा

फरीदाबाद, 18 मई (सूरजमल): हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक ने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इसलिए विश्वविद्यालय को विकास के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता भी बनी रहे।

विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। श्री मलिक विश्वविद्यालय में विकास कार्यों तथा कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. एस.के. शर्मा, सभी संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय राज्य का प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक है तथा तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए पहचाना जाता है। राज्य सरकार इस विश्वविद्यालय के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा परिसर में लम्बवत विस्तार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए ढांचागत विकास करें। श्री मलिक ने कहा कि राज्य सरकार ने तकनीकी संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठा रही है ताकि ऐसे विद्यार्थी तैयार हो सकें जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट पर प्रसन्नता जताते हुए श्री मलिक ने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय इस दिशा में बेहतरीन कार्य कर रहा है। इस अवसर पर श्री मलिक ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कार्यशालाओं तथा प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक वाईएमसीए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हुए। (रजत)

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 19 May 2017
epaper.punjabkesari.in//c/19158629

NEWS CLIPPING: 19.05.2017

DAINIK BHAKSAR

वाईएमसीए में इंजीनियरिंग के नए पाठ्यक्रम होंगे शुरू

एरोनॉटिकल व सिविल इंजीनियरिंग जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू करने की है योजना

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय में विकास कार्यों व कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने कहा कि विकास के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता भी बनी रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बैठक में बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान, इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, पत्रकारिता व जनसंपर्क सहित कुल 21 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसमें छह अंडर ग्रेजुएट व 15 पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न विषयों में पीएचडी भी कराई जा रही है।

उन्होंने कहा हाल ही में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता व राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में अग्रणी स्थान दिया गया है। विश्वविद्यालय विस्तार के लिए जगह के अभाव का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग व सिविल इंजीनियरिंग जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। इसके अलावा जल्द ही क्षेत्र के कई महाविद्यालयों की संबद्धता विश्वविद्यालय के साथ होने जा रही है।